अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

1st Prize Below 18

013384

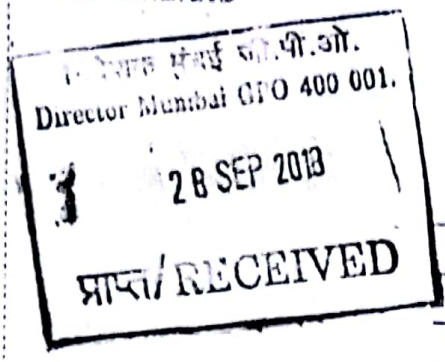

भारत INDIA 250 इन्दिरा गांधी INDIRA GANDHI

निदेशक मुंबई जी.पी.ओ.
Director Mumbai GPO 400 001.
1 28 SEP 2018
प्राप्त/ RECEIVED

"ढाई-आखर- पत्रलेखन"
चीफ पोस्टमास्तर जनरल,
महाराष्ट्र सर्कल.
मुंबई.

(इस स्थान के नीचे न तो लिखें और न ही मुद्रित करें Do not write or print below this line) ____ पिन PIN 400001

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखें NO ENCLOSURES ALLOWED
पते में पिन कोड लिखें WRITE PIN CODE IN ADDRESS
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS:—

उन्नती शिवाजी शिर्के १२ वी (वाणिज्य)
शारदाबाई पवार महिला महाविद्यालय कनिष्ठ
विभाग शारदानगर.
पिन PIN ४१३११५

PHILATELY: KING OF HOBBIES
COLLECT INDIA POSTAGE STAMPS
CONTACT:
Nearest Philatelic Bureau

पहला मोड़ FIRST FOLD

.../ S.P.P.,HYD. - 2017

माँ यह सब करने के लिए बस आपका वरदान आवश्यक है। हम आपसे यह वरदान चाहते हैं कि कितनी भी विपत्तियाँ आने पर भी हमारे पैर हर क्षण आगे ही बढ़ते रहे। हमारा स्वाभिमान बना रहे। हम देश की उन्नति को महत्त्व दे और अपना सारा जीवन देश-सेवा के लिए समर्पित करे। माँ बस यही वरदान चाहिए।

आपकी प्रिय,
उन्नति

(माझे वय १८ वर्षाच्या आत आहे) U.S.Shirke.

मेरे देश के नाम खत

प्रिय मातृभूमि,

माँ आपको मेरा प्रणाम। माँ आप भारत देश कि माँ हो और हम सब आपके बच्चे है। आप कैसी हो माँ ? आपको आपका यह भारत देश कैसा लग रहा है ?

माँ आपने देखा ही होगा की आपका यह देश कितना बदल गया है। देश के विविध क्षेत्रों में कितने बदलाव हो रहे है। माँ मुझे तो लगता है कि हम जो आपके बच्चे है हमने किई प्रगति और नए नए बदलाव देखकर आप बहुत खुश होगी। माँ हम लोग देश की प्रगति कर सके है आपके वात्सल्य से, आपके प्रेम से। आप पर हुई भक्ति, आपका आशीर्वाद हमारे अंदर जोश निर्माण करता है।

माँ आपको पता है हमारे इस देश में लोगो ने बहुत आधुनिकीकरण किया है। देश के लोगो ने भारत में बड़े बड़े आविष्कार किए है। माँ देश का जो पुरातन चित्र था वह बदल गया है। पुरातन काल में जो जातिप्रथा, वर्णभेद, अन्याय का चित्र था वह बदल गया है। यह सभी विघातक बाते धीरे धीरे नष्ट हो रहा है। लोगो में शिक्षा के माध्यम से ज्ञान का प्रसार हो रहा है। लोग अपना भला बुरा किसमे है यह समझ रहे है। देश के जो सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय और आर्थिक क्षेत्र है उनमे बहुत बदलाव हुआ है। माँ एक अच्छी बात यह है कि लोग अंधश्रद्धा से दूर रहने लगे है। पहले जो अंधश्रद्धा के कारण लोगों के जीवन में खतरे आ रहे थे वे अब नही आते। लोग ईश्वर की निस्वार्थ सेवा कर रहे है। माँ आपको अपने आप को स्वाभिमान दिलाने वाली बात पता है क्या ? पहले जो लोग अन्याय सेहन करते थे वे अब अन्याय के विरोध में आवाज उठा रहे है। देश के न्यायालय जो लोग गुनाह करते है उनपर कठोर शासन लगा रहा है। माँ देश के जो किसान और सैनिक है उनकी तो बात ही कुछ और है। किसानो ने अपने खेत में आधुनिक यंत्रसामग्री का स्वीकार किया है। जिसकी वजह से अपने परिस्थिति में वे बदलाव करने लगे है। वे स्वाभिमानी बन रहे है। देश के सैनिक देश की सुरक्षा के लिए देश की सीमा पर अपने जान की बाजी लगा रहे है।

माँ यह सब है देश की अच्छी बाते पर माँ देश में होने वाली कुछ बुरी बातें भी मैं आपको बताना चाहती हूँ। माँ आज देश के अनेक भागों में पेय जल की समस्या है। आज हमारे यहां राजनीति और आर्थिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। प्रशासन में भ्रष्ट तत्व घुस गए है। चुनावों में भी धांधली होती है। इस तरह देश में कुछ समस्याएँ भी है।

माँ आप हमेशा कहती है कि युवक देश के प्राण होते है। देश की अपने युवको से बड़ी-बड़ी आशाएं होती है। युवको पर ही मातृभूमि की रक्षा की जिम्मेदारी होती है। माँ आपके इस विचारों से हम प्रभावित हुए है। हम युवक अपनी रुचि के अनुसार जल, थल या वायुसेना में भर्ती होंगे और युद्ध-कौशल में निपुण बनेंगे। अब देश के स्वाभिमान और गौरव की रक्षा के लिए हम आगे बढ़ेंगे। हम युवक देश के राजनीति के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे और अपना सहयोग देंगे। हम देश के वीर बनकर दुष्ट तत्वों का नाश करेंगे और देश के विकास में अपना योगदान देंगे।

Scanned by CamScanner